नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी
स्थापित 2005 ई.

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर
मो. 7897475917, 9794299451
Website : www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

पत्रांक.............................. . दिनांक : 08.10.2021

प्रकाशनार्थ

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में प्रार्थना सभा में अन्तर्गत वायु सेना दिवस एवं मुंशी प्रेमचन्द स्मृति दिवस के अवसर पर रक्षा अध्ययन विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभिषेक सिंह ने उद्‌बोधन देते हुए कहा कि भारतीय वायुसेना आज अपना 89वाँ स्थापना दिवस मना रही है। भारतीय वायुसेना ने अनेको बार अपने शौर्य और पराक्रम से भारत को गौरवान्वित किया है। वायुसीमा की सुरक्षा और विषम परिस्थितियों में हालात को संभालने की जिम्मेदारी भी भारतीय वायुसेना के जाबांजो के ऊपर है। 08 अक्टूबर, 1932 को भारतीय वायुसेना की स्थापना की गई थी। देश के आजाद होने से पहले वायुसेना को **रॉयल इंडियन एयर फोर्स (आरआईएएफ)** कहा जाता था। आजादी के बाद वायुसेना के नाम में से ''रॉयल'' शब्द को हटाकर **''इंडियन एयरफोर्स''** कर दिया गया। आज भारतीय वायु सेना विश्व की चौथी सबसे ताकतवर वायु सेना है। राष्ट्र को भारतीय वायु सेना पर गर्व है जिसने शांति और युद्ध के दौरान बार–बार अपने शौर्य और पराक्रम का परिचय दिया है। वायुसेना दिवस के मौके पर वायु योद्धाओं और उनके परिवारों को पूरा महाविद्यालय हार्दिक शुभकामनाएं ज्ञापित करता है। इसी क्रम में मुंशी प्रेमचन्द समृति दिवस पर बोलते हुए कहा कि प्रेमचन्द को आधुनिक हिन्दी कहानी का जनक माना जाता है। प्रेमचन्द के पहले भारतीय लेखन शैली पौराणिक, धार्मिक और काल्पनिक हुआ करती थीं, लेकिन प्रेमचन्द ने यथार्थ और तत्कालीन समाज में पल रही कुरीतियों के खिलाफ अपनी लेखनी चलायी जो कि उनकी कहानी और उपन्यासों में सर्वत्र देखने को मिलता है। प्रेमचन्द की कहानियाँ इतनी सजीव होती थी कि उन्हे पढ़कर ऐसा लगता है कि उन कहानियों में लिखी गयी कथायें हमारे आस–पास की ही हैं। ऐसे महान उपन्यासकार, कहानीकार को पूरा महाविद्यालय परिवार कोटि–कोटि नमन करते श्रद्धा सुमन अर्पित करता है। इस अवसर पर शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

ASingh

डॉ. अभिषेक सिंह
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी